DEPARTMENT OF COMMERCE

"How to write Research paper"

Date: 7 January 2023

A state-level workshop titled "***How to Write a Research Paper***" was organized on January 7, 2023, by the Department of Commerce and IQAC at the auditorium hall.

A total of 136 offline and 85 online registrations were received from participants, including professors, assistant professors, educators, and research scholars. Research paper writing is an essential component of PhD research work, requiring a specific methodology, which was thoroughly discussed during the workshop.

The workshop was graced by Dr. S.R. Kamlesh, Principal & Additional Director of Higher Education, Bilaspur Division, who emphasized the significance of research papers across the country. Dr. Sudhir Sharma, Professor & Head of the Commerce Department, served as the convener of the workshop, with Dr. Kaveri Dabhadkar, Assistant Professor of Geography, as the co-convener, and Dr. Madhulika Sinha, In-charge of IQAC and Assistant Professor of the English Department, as the organizing secretary.

The first technical session, conducted from 11:00 am to 12:30 pm, was led by Dr. Pushkar Dubey, Professor & Head of Management at Sundarlal Sharma Open University, Bilaspur. He focused on manuscript standards, writing skills, VOS viewer software, word limit, content formation, and other qualities essential for a good manuscript.

The second technical session, held from 12:30 pm to 2:00 pm, was led by Dr. Rajiv Chaudhary, Professor & Head of the School of Physical Education at Pt. Ravi Shankar Shukla University, Raipur. He emphasized the 'FINER' criteria - Feasibility, Interesting, Novelty, Ethical, and Relevance of a Good Research Topic, along with the importance of keywords, title, abstract and electronic research tools.

The third technical session took place from 2:30 pm to 3:30 pm, featuring Dr. Suparna Sen Gupta, Librarian at Pt. R.S.S.U. Raipur, as the speaker. Dr. Gupta discussed the common reasons for research paper rejection and the psychological principles of power. Following Dr. Gupta's session,

Dr. D.K Shrivastav led a discussion on academic journals, quality writing, and effective research paper publication skills from 3:45 pm to 5:00 pm. He provided valuable insights to researchers and academicians on how to successfully publish their work in reputable journals.

The valedictory function commenced at 5:05 pm and concluded at 5:25 pm, during which all participants received certificates. The principal and guest speakers were honored with mementos in addition to their certificates.

Dr. Kaveri Dhabadkar, Assistant Professor in the Geography Department, delivered the vote of thanks at 5:30 pm, officially concluding the workshop at 5:45 pm.

Convenor
Dr. Sudhir Sharma
Professor & HOD
Dept. of Commerce

Organizing Secretary
Dr. Madhulika Sinha
IQAC In-charge/ Asstt. Professor
Dept. Of English

Patron/Principal
Dr. S.R Kamlesh
Govt. Bilasa Girls PG College,
Bilaspur,C.G.

PRINCIPAL
Govt. Bilasa Girls P.G. College
Bilaspur (C.G.)

कार्यक्रम विवरण :

क्र.	विवरण	समय
1	उद्घाटन सत्र	9.30 से 10.30 प्रातः
	जलपान 10.00 से 10.30 तक	
2	प्रथम तकनीकि सत्र	10.30 से 12.00 तक
3	द्वितीय तकनीकि सत्र	12.00 से 1.30 तक
	भोजनावकाश 1.30 से 2.00 तक	
4	तृतीय तकनीकि सत्र	2.00 से 3.30 तक
5	चतुर्थ सत्र (चर्चा एवं प्रश्नोत्तरी)	3.30 से 4.30 तक
6	समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण	4.30 से 5.00 तक

आयोजन समिति

डॉ. किरण वाजपेयी, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, रसायन
डॉ. मुक्ता दुबे, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान
डॉ. व्ही. के. शर्मा, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र
डॉ. डी. डी. कश्यप, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल
डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, हिन्दी
डॉ. ए. पी. गोस्वामी, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान
डॉ. सीमा मिश्रा, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान
डॉ. एस. मोघे, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान
डॉ. शुभदा रहालकर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, जीव विज्ञान
डॉ. शारदा दुबे, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, समाज शास्त्र
डॉ. रुबी मिल्होत्रा, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी
डॉ. रजनी सिंह, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास

महत्वपूर्ण टीप :- इस कार्यशाला में केवल 250 प्रतिभागियों को ही सम्मिलित किया जा सकेगा, अतः प्रथम 250 पंजीयन के पश्चात पंजीयन नहीं होगा।

आमंत्रण

एक दिवसीय
राज्य स्तरीय कार्यशाला

शोध पत्र कैसे लिखें ?

(How to write research paper ?)

07 जनवरी 2023

शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

आयोजक
वाणिज्य विभाग
एवं
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.)
कार्यक्रम स्थल
सभागृह, शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

मान्यवर,

अत्यंत हर्ष का विषय है कि, शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर द्वारा शोध पत्र लेखन के विभिन्न आयामों पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला में आप सभी प्राध्यापक, शिक्षाविद्, शोधार्थी सादर आमंत्रित है।

कार्यशाला संदर्भ :

शोध पत्र लेखन एक महत्वपूर्ण विधा है। जिसकी अनिवार्यता पी-एच. डी. शोध कार्य की पूर्णता के लिए एवं ज्ञान संप्रेषण हेतु अत्यंत आवश्यक है। शोध पत्र लेखन अथवा शैक्षणिक लेखन एक विशिष्ट प्रक्रिया है। यह अकादमिक विकास की रीढ़ और सृजनात्मकता की छवि है। इसके लिए विभिन्न पक्षों, लेखन की प्रक्रिया, शोध प्रविधि, नये संदर्भो, नये प्रतिमानों का विवेचन तथा क्षेत्र में उच्च स्तरीय शोध गतिविधियों के लिये शोधार्थियों की दक्षता में गुणात्मक वृद्धि करना ही इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य है। इस कार्यशाला से प्राध्यापकों, शोधार्थियों के साथ-साथ इस क्षेत्र में संलग्न समस्त प्रतिभागियों की कार्य-कुशलता में वृद्धि होगी।

पंजीयन शुल्क :

क्र.	विवरण	शुल्क
1	प्राध्यापक / शिक्षाविद्	500.00
2	शोधार्थी	300.00

पंजीयन लिंक : https://forms.gle/a7aYxQxBoUNz5iBVA
टेलीग्राम लिंक : https://t.me/+-b4YUy4zWelyM2Y9
ई.मेल : bilasacollegelibrary@gmail.com

संरक्षक
डॉ. एस. आर. कमलेश
प्राचार्य एवं अपर संचालक
उच्च शिक्षा, बिलासपुर संभाग
शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बिलासपुर

संयोजक
डॉ. सुधीर शर्मा
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग

सह-संयोजक
डॉ. कावेरी दाभडकर
सहा. प्रध्यापक, भूगोल

सचिव
डॉ. मधुलिका सिन्हा
प्रभारी, आईक्यूएसी / सहा. प्राध्यापक, अंग्रेजी

लेखा शाखा

Account Holder Name	PRINCIPAL GOVT BILASA GIRLS PG COLLEGE BILASPUR
A/C No.	78550100004344
A/C Type	Saving
Bank	Bank of Baroda
Branch Code	7855
IFSC Code	BARB0VJBILA

Image 1: L to R : 1. Dr. Sudhir Sharma (Convenor/HOD) 2. Dr. Suparna Sen Gupta
3. Dr. S.R Kamlesh (Patron/Principal) 4.Dr. Rajiv Choudhary 5. Dr. Pushkar Dubey

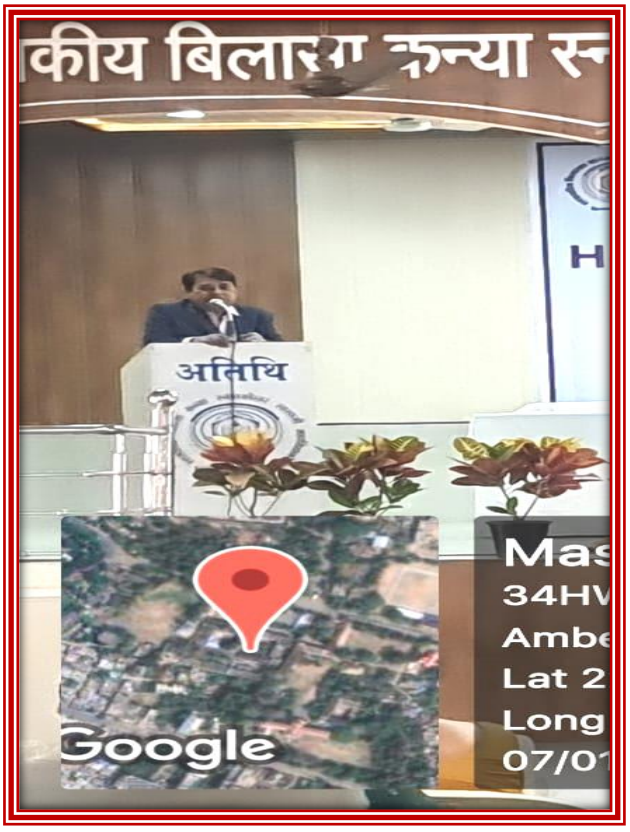

Image 2 & image 3- Dr. S.R Kamlesh (Patron/Principal) & Dr. Sudhir Sharma (Convenor/HOD)

Image 4. Technical Session: Key note Speaker- Dr. Rajiv Chaudhary, Professor & Head of the School of Physical Education at Pt. Ravi Shankar Shukla University, Raipur.

Image 5. Technical Session: Key note Speaker -Dr. Suparna Sen Gupta, Librarian at Pt. R.S.S.U. Raipur

Image 6 & 7 Key note Speaker- Dr. D.K Shrivastava Asst. Professor (Govt ERR Post Graduate science College, Bilaspur) & Dr. Pushkar Dubey, Asst. Professor & HOD (Management) at Sundarlal Sharma Open University.

Image 8. Principal, Faculty members & Participants attending the workshop.

औपचारिकता के लिए नहीं, गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र लिखा जाना चाहिए: डॉ. शर्मा

बिलासा गर्ल्स कॉलेज में शोध पत्र कैसे लिखें विषय पर हुई कार्यशाला

एजुकेशन रिपोर्टर | बिलासपुर

बिलासा गर्ल्स कॉलेज में शोध पत्र कैसे लिखें विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि अपर संचालक व प्राचार्य डॉ. एसआर कमलेश रहे। विषय विशेषज्ञ डॉ. पुष्कर दुबे, डॉ. राजीव चौधरी, डॉ. सुपर्ण सेनगुप्ता, डॉ. डीके श्रीवास्तव रहे। संयोजक डॉ. सुधीर शर्मा ने कार्यशाला की उपयोगिता व रूपरेखा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि शोध पत्र की गुणवत्ता और प्रकाशक अच्छा होना चाहिए। केवल औपचारिकता के लिए शोध पत्र नहीं लिखा जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र लिखा जाना चाहिए। मुख्य अतिथि डॉ. कमलेश ने कहा कि उच्च शिक्षा में सबसे ज्यादा महत्त्व शोध का है, क्योंकि शोध समाज के लिए उपयोगी होता है। विश्व के विकसित देशों मे शोध कार्य बड़े पैमाने पर हो रहे हैं। भारत बहुत पीछे है, हमें इस पर ध्यान केंद्रित करना होगा। विषय विशेषज्ञ डॉ. दुबे ने प्रकाशन योग्य शोध पत्र कैसे लिखें विषय पर बहुत उपयोगी और विस्तृत जानकारी दी। डॉ. चौधरी ने शोध पत्र और शोध प्रस्ताव कैसे लिखें इसके बारे में प्रतिभागियों को बताए। विशेषज्ञ डॉ. सेनगुप्ता ने शोध पत्र प्रकाशन के विभिन्न प्लेटफार्म, प्रकाशन के तरीके, साहित्यिक चोरी, पब्लिकेशन एथिक्स आदि के संबंध में जानकारी दी। डॉ. डीके श्रीवास्तव ने शोध पत्र लेखन के घटक एवं चरण पर प्रकाश डालते हुए शोध पत्र संबंधी व्यावहारिक बातों के बारे में बताया। इसमें राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए शिक्षकों और शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

उच्च शिक्षा में शोध का बहुत महत्व है–कमलेश

बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

बिलासपुर, 7 जनवरी (देशबन्धु)। शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर वाणिज्य विभाग एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला विशय ''शोध पत्र कैसे लिखें ''का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष डॉ. एस. आर. कमलेश के द्वारा माँ सरस्वती पर द्वीप प्रजवलित कर किया गया।

कार्यशाला संयोजक डॉ. सुधीर शर्मा ने कार्यशाला पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रदेश एवं बिलासपुर शहर के उच्च शिक्षा विभाग में नव–नियुक्ति सहायक प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं शोध निर्देशकों को नये शोध प्रविधि से अवगत कराते हुए उच्च एवं गुणवत्तापूर्ण शोध के लिये प्रेरित करना है। डॉ. सुधीर शर्मा के अनुसार नववर्ष की शुरूवात का उद्देश्य शोध पर हो। रिसर्च पेपर अच्छा होना चाहिए उपयोगी होना चाहिए। औपचारिकता के लिए पेपर नहीं लिखना चाहिए। छोटे–छोटे चीजों पर रिसर्च कर सकते हैं। मानसिक रूप से फिजिकल रूप से समाज तक पहुँचा सकते है। कार्यशाला के अध्यक्ष डॉ. एस. आर. कमलेश, प्राचार्य एवं अपर संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि उच्च शिक्षा में शोध का बहुत महत्व है। मानव कल्याण के लिए शोध अनिवार्य है। पश्चिमी देशों में विकास शोध का ही परिणाम है। मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हमारे महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ से डॉ. मधुलिका सिन्हा एवं वाणिज्य विभाग के प्रो. सुधीर शर्मा द्वारा अत्यंत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस हेतु मैं आईक्यूएसी प्रभारी, संयोजक, सह संयोजक के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। उच्च शिक्षा में शोध का सबसे महत्वपूर्ण स्थान हैं क्योंकि शोध का प्रमुख उद्देष्य मानव कल्याण हैं। शोध वर्तमान, भुत और भविष्य का मिश्रण होता हैं मानव जीवन को आसान एवं गुणवत्ता पूर्ण बनाने में शोध ही आधार शीला रही हैं। जिन देशों में जितने अधिक शोध कार्य हुए है, वहाँ उतनी अधिक प्रगति हुई है, पश्चिम देशों के सभी क्षेत्रों में आधुनिकीकरण एवं तकनीकी विकास के पीछे शोध की गुणवत्ता नवाचार रहीं हैं।